Title: Requested to impose ban on the Students" Islamic Movement of India (SIMI).

श्री विजय गोयल (चांदनी चौक) : सभापति महोदय, मैं सदन का ध्यान एक महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर दिला रहा हूं। आज अखबारों में आपने देखा होगा कि एक संगठन के कार्यालय मंत्री को गिरफ्तार किया गया, इसलिए कि वह साम्प्रदायिकता फैला रहा था।

सभापति महोदय, सदन और सभी पार्टियों को इस बात का नोट लेना चाहिए। पिछले दिनों दिल्ली के अंदर मेरे चान्दनी चौक क्षेत्र में एक अफवाह फैलाई गई कुरान जलाने की और उसके बाद हमारे यहां के शाही इमाम और मुस्लिम लोगों से इस बात की अपील की गई कि वे इस संगठन के साथ बाहर निकलें। यह संगठन कोई नया नहीं है। इसके बारे में सभी पार्टियों ने लगभग सही विचार व्यक्त किए हैं। संगठन का नाम स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट आफ इंडिया, सिमी है।

सभापति महोदय, पूरे भारत के अंदर इस संगठन ने 1977 से लेकर जिस तरह से जड़ें जमा ली हैं और जिस तरह से यह काम कर रहा है, जिस तरह से आतंकवाद फैलाने का काम कर रहा है, जिस तरह से इस संगठन के पाकिस्तान के साथ संबंध हैं, जिस तरह से यह संगठन दाऊद इब्राहीम के साथ जुड़ा हुआ है और जिस तरह से इसकी फंडिंग हो रही है, उसके ऊपर बहुत गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

सभापति महोदय, मैं यह मांग करने के लिए खड़ा हुआ हूं कि केन्द्र सरकार को चाहिए वह सिमी संगठन पर तुरन्त प्रतिबन्ध लगाए। मैं महाराष्ट्र सरकार को बधाई देना चाहता हूं। भले ही वहां कांग्रेस की हुकूमत है, लेकिन वह बधाई की पात्र है। उसने इस संगठन के बारे में लिखा है- महाराष्ट्र सरकार ने केन्द्र को सूचित किया है कि इस साल मार्च में पुणे व औरंगाबाद में साम्प्रदायिक सौहार्द को खराब करने के कई मामलों में सिमी की संलग्नता पाई गई है। इस बात को देखते हुए महाराष्ट्र ने केन्द्र सरकार को 21 मामलों का ब्यौरा भेजा है जिसमें सिमी के 206 कार्यकर्ता गिरफ्तार किए गए। इन्हीं गिरफ्तारियों को आधार बनाते हुए महाराष्ट्र सरकार ने इस संगठन पर प्रतिबन्ध लगाने की मांग की है।

सभापति महोदय, इस साल गुजरात ने कहा कि- अहमदाबाद में आतंकवाद-विरोधी मुहीम तेज करते हुए गुजरात ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रदेश में स्टूडेंट इस्लामिक मूवमेंट आफ इंडिया की कथित राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों के चलते समूचे देश में प्रतिबन्ध लगाने की मांग केन्द्र सरकार से की है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पहले ही इस बात की मांग की है कि सिमी संगठन के ऊपर प्रतिबन्ध लगना चाहिए।

ऐसा इंडिया टूडे जैसी महत्वपूर्ण और्गनाइजेशन लिखती है। मैं सिर्फ एक लास्ट पैरा पढ़ रहा हूं, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

> "It all began in Beconganj""s narrow, congested alleys when a group of 500 people came out of the Jama Masjid that Friday afternoon, protesting against the alleged burning of the Quran in Delhi. They had allegedly been instigated by the Students"" Islamic Movement of India (SIMI)."

आज सिम्मी का जाल पूरे देश में फैल रहा है और ये लोग दाउद इब्राहिम और लादेन को, जो सबसे बड़े आतंकवादी हैं, अपना आदर्श बनाए हुए हैं कि वे हमारे हीरो हैं।â€¦(व्यवधान) क्या आप मेरा समर्थन करने के लिए कह रहे हैं?â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : अब आप समाप्त कीजिए।

श्री विजय गोयल : मैं कहना चाहता हूं कि सभी पार्टीज़ को इस मामले को पुरजोर तरीके से गृह मंत्रालय, केन्द्र सरकार के पास रखना चाहिए क्योंकि जब भी हम देखते हैं कि किसी ऐसे संगठन पर प्रतिबंध की बात आती है तो कई बार उसमें राजनीति आ जाती है। किन्तु मैंने जैसे ही प्रशंसा की

â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : यह पूर्व उदाहरण नहीं बनेगा। शून्यकाल में विशेष परिस्थिति में मौका दिया गया है। अब आप समाप्त कीजिए।

रु□□(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपने अपनी मांग रख दी है।

श्री विजय गोयल : मैं सिर्फ दो लाइन और बोल कर बैठ जाऊंगा।रु□□(व्यवधान) मैं सिर्फ यह कहना चाहता हूं कि जब मैं तारीफ भी कर रहा हूं तब भी आप सभी संगठनों की बात करते हैं। अगर आप चाहें कि इस संगठन के साथरु□□(व्यवधान)

सभापति महोदय : उधर देख कर बात नहीं करनी है। आपने अपनी मांग रख दी है, अब समाप्त कीजिए।

च्ड्रू घ्डएज्ञ् डएच्ड्डएघ्एछ (घ्एच्र्एर्): रु इश्र्द्वङ्क ध्त्ड्ण द्ण्ड्ड ण्दृद. ग्ड्ड्थ्ड्ड्द्ध. रु ड्ड्ड्थ्ड्ड्दड्ड द्ण्ड्ड्ट ड्ड्थ्ट हदृश्र्द्वदड्ड्थ दृद्धश्र्द्वदत्ड्ड्द्यत्दृदद्द ड्ड डड्डददड्डड.

श्री विजय गोयल : पहले कम्युनल ऐग्रैशन, जो आतंकवाद के अंदर लिप्त हैं, उन पर प्रतिबंध लगाना चाहिए और सिम्मी संगठन पर जल्द से जल्द प्रतिबंध लगाना चाहिए।रु□□(व्यवधान)

श्री गिरधारी लाल भार्गव (जयपुर) : हम आपकी बात का समर्थन करते हैं।रु□□(व्यवधान)

सभापति महोदय : त्रिपाठी जी, आपका मामला प्रिविलेज समिति में भेजा गया है। स्पीकर साहब के यहां से दे दिया गया है।

रु□□(व्यवधान)

श्री विजय गोयल : गृह राज्य मंत्री बैठे हैं, आप इनसे कहिए।रु□□(व्यवधान) इस मामले को कई राज्यों ने उठाया है।रु□□(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप कृपा करके आसन ग्रहण कीजिए। सभी माननीय मंत्रीगण सुन रहे हैं। जवाब देने के लिए उन पर दबाव नहीं डाला जा सकता। कृपा करके आसन ग्रहण कीजिए।

रु□□(व्यवधान)

श्री विजय गोयल : यदि वे स्टेटमैंट दे सकते हैं तो दें।ऱ्□□(व्यवधान) वे स्टेटमैंट देने के लिए तैयार हैं। यह महत्वपूर्ण मामला है।ऱ्□□(व्यवधान)

सभापति महोदय : उनको कोई नहीं रोक सकता।

श्री विजय गोयल : आप उनसे पूछ लें कि क्या वे कुछ कहना चाहेंगे।

सभापति महोदय : कोई मंत्री कुछ कहना चाहे तो वह कहने के लिए आजाद है।

डॉ.लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मंदसौर) : सभापति महोदय, जब सब माननीय सदस्य मांग कर रहे हैं तो गृह राज्य मंत्री इस मामले में कुछ कहें।ऱ्□□(व्यवधान)

सभापति महोदय : सब सदस्य मांग कर रहे हैं, यह सरकार सुन रही है। आसन से कम्पैल नहीं किया जा सकता।

क्रू ग्स्र्रुच्क्रड ग्क्ष च्र्एन्न स्र् क्रू ग्स्र्रुच्च्डइ ग्क्ष स्य्क्र एक्ष्क्ष्एरुड्च (च्स्डरु क्र्. जरूइएच्एस्एड डएग्): च्द्ध, रु ण्ड्डध्ङ्क द्दङ्कत्ङ्कद ददृद्दङ्क दृढ ड्डथ्ठ द्दण्ङ्क द्दण्त्दश्र्न ध्र्णत्हण ण्ड्डध्ङ्क डङ्कङ्कद द्दड्डत्ड्ड डत्र द्दण्ङ्क ण्दृद. ग्ङ्कश्ध्डङ्कद्धदृ

सभापति महोदय : आपका मामला पहले नम्बर पर है। ठ्ठदृद्रत्र द्दङ्कदद्द द्दृ घ्द्धत्ध्त्थ्ङ्कश्ङ्क व्द्धठ्ठदहण. ध्थ्ङ्कठ्ठद्भङ्क ठ्ठथ्द्भदृ द्दङ्कङ्क च्थ्.ग्दृ.19. दोनों का निपादन हो गया।

ऱ्□□(व्यवधान)

श्री रामनरेश त्रिपाठी (सिवनी) : यह मामला पहले भी विशोधिकार समिति के पास दिया गया है लेकिन उस पर कोई बात नहीं हो रही है। वहां गोलियां चल रही हैं, कार्यकर्ता मारे जा रहे हैं।ऱ्□□(व्यवधान)

सभापति महोदय : आप स्पीकर साहब से बात कीजिए।

ऱ्□□(व्यवधान)

सभापति महोदय : यह आपके हित में है। मामला ज्यादा सीरियस है। आप स्पीकर साहब से बात कीजिए।

श्री रामनरेश त्रिपाठी : ठीक है।